समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• जनवरी २०१६ • वर्ष ६७ • अंक १

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

भारत के महामहिम राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी को सम्मेलन की ८०वीं वर्षगाँठ समारोह के लिए आमंत्रित करने हेतु उनसे मिला सम्मेलन का प्रतिनिधिमंडल; चित्र में (बायें से दायें) सांसद श्री विवेक गुप्ता, श्री नंदलाल रूँगटा, सांसद श्री सुदीप बंद्योपाध्याय, राष्ट्रपति महोदय, श्री रामअवतार पोद्दार, श्री सीताराम शर्मा, डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया एवं श्री प्रह्लाद राय अगरवाला।

इस अंक में :

- सम्पादकीय: पाकिस्तान का क्या करें, लड़ें या बात करें?
- अध्यक्षीय: अधिकारों के साथ कर्त्तव्यों पर भी नजर हो!
- अखिल भारतीय समिति की बैठक
- विवेकानन्द जयंती पर विशेष

प्रह्लाद राय अगरवाला सम्मेलन के नये राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित

श्री प्रह्लाद राय अगरवाला (बाएँ) को बधाई देते राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार

नव वर्ष एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें!

सर्दियों में
ONLY TORRIDO

BODY-HUGGING | ATTRACTIVE COLOURS | STRETCHABLE | SOFT & NON-ITCHY

Stylish premium thermals
for the entire family.

RUPA®

TORRIDO

Premium Thermals

MEN | WOMEN | KIDS

www.rupa.co.in | Follow 'rupaknitwear' at | Toll Free No.: 1800 1235 001 | For more information, SMS 'RUPA' to 53456 | Shop online 24x7 at www.rupaonlinestore.com

समाज विकास

◆ जनवरी २०१६ ◆ वर्ष ६७ ◆ अंक १ ◆ एक प्रति - ₹ १० ◆ वार्षिक - ₹ १००

अनुक्रमणिका

शीर्षक			पृष्ठ संख्या
चिट्ठी आई है			४
सम्पादकीय : पाकिस्तान का क्या करें, लड़ें या बात करें?	–	*सीताराम शर्मा*	५
अध्यक्षीय : अधिकारों के साथ कर्त्तव्यों पर भी नजर हो!	–	*रामअवतार पोद्दार*	७
केन्द्रीय / प्रान्तीय समाचार			८-१७
कविता : नुवों आप नैं साल, मुबारक	–	*पं. ताऊ शेखावाटी*	१७
लेख : नायक बनो!	–	*शिव कुमार लोहिया*	१९
पुस्तक समीक्षा : आस्था री मंदाकिनी	–	*डॉ. पूरन सहगल*	२०
सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत			२१-२६

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ◆ १५२बी, महात्मा गांधी रोड, कोलकाता - ७००००७
फोन : ०३३-२२६८ ०३१९ ◆ email: aimf1935@gmail.com
के लिये श्री भानीराम सुरेका द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा
सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित
प्रधान संपादक : सीताराम शर्मा
सह-संपादक : शिव कुमार लोहिया
प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

HIGHER EDUCATION SCHOLARSHIP

MARWARI SAMMELAN FOUNDATION

(A Trust of All India Marwari Federation)

Invites application from the meritorious and needy students of the society for scholarships to pursue Post Graduate Higher Education in the fields of Engineering. Technical, Civil Services, Medicine, Management etc.

Eligibility : (A) Meritorius student with excellent academic record between the age of 17-25 years and having secured admission in a recognized educational institution purely on the basis of merit. (B) Annual income of the perents of the candidate should preferably be less than Rs. Three Lakh.

Procedure: (A) Application with details of past academic records, proof of admission, parent's income/ along with passport size photograph may be submitted duly recommended by any branch of Marwari Sammelan/Associated Organisations. (B) The Scholarship payable per student per year will be a maximum of Rs. Two Lakh only. (C) One or two scholarships per academic year is reserved for girl students.

Please apply to : Chairman, Higher Education Committee, All India Marwari Sammelan,
152B, Mahatma Gandhi Road, Kolkata - 700 007
Phone & Fax : (033) 22680319, e-mail: aimf1935@gmail.com

चिट्ठी आई है

अपनी विरासत न भूलें!

मैंने समाज विकास दिसम्बर २०१५ में प्रकाशित राष्ट्रीय महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया की "जावै लाख रैवो साख, गई साख तो बची राख" शीर्षक रचना पढ़ी जिसमें राजस्थान के मुहावरे एवं लोकोक्तियों का उल्लेख किया गया है। मैं इस लेख की तहेदिल मे सराहना करता हूँ कारण ये मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ राजस्थान की विरासत हैं जिनका हम सबको सम्मान करना चाहिये तथा अपने दैनिक जीवन में व्यवहार करना चाहिये। हमारे पूर्वजों ने इन्हीं मुहावरों को ध्यान में रखा और हमारा समाज संगठित, सम्मानित एवं मजबूत रहा। वहीं आज की युवा पीढ़ी इन सब मुहावरों से अनभिज्ञ है तथा पाश्चात्य देशों के मुहावरे उन्हें ज्यादा याद रहने लग गये है जैसे "ईट्, ड्रिंक एण्ड बी मेरी"। फलस्वरूप मारवाड़ी समाज के युवा वर्ग तथा अन्यों में कुछ फर्क नजर नहीं आ रहा है जो एक सच्चाई तो है लेकिन आने वाले कल के लिए एक चिंता का विषय भी है।

अतः उपरोक्त परिप्रेक्ष्य में आपकी रचना सोये को जगाने के लिए काम करेगी तथा जगे रहते भी इन मान्यताओं को नहीं मानने वालों को तो स्वयं भगवान आने वाले कल में जगा देंगे। मेरा समाज विकास सम्पादन विभाग से आग्रह है, अगर संभव हो तो, कि इस तरह के राजस्थान के मुहावरे एवं लोकोक्तियों के लिए समाज विकास का एक पृष्ठ प्रति मास आरक्षित रहे।

— **गोपाल प्रसाद डोकानियां**, कोलकाता

आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक

दीर्घ अन्तराल के उपरान्त कल ही 'समाज-विकास' का नवम्बर २०१५ का अंक प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। पत्रिका का कलेवर तथा मुद्रित सामग्री अत्यन्त आकर्षक, ज्ञानवर्द्धक एवं सुरूचिपूर्ण परिलक्षित हो रही है। आप जैसे विद्वान, कर्मठ, प्रेरक, समर्पित तथा निष्णात साहित्यक व्यक्तित्व से ऐसी अपेक्षा सहज ही है। इस हेतु आपको साधुवाद।

— **प्रो. (डॉ.) विश्वनाथ अग्रवाल**, पटना (बिहार)

समाचार-सार

सम्मेलन के जोरहाट शाखाध्यक्ष श्री बाबूलाल गगड़ के ७५वें जन्मदिन (१४ नवम्बर २०१५) के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम 'एक संकल्पित यात्रा' से एक दृश्य।

भई वाह्!

नवम्बर २०१५ के समाज विकास में प्रकाशित **हरियाणा प्रदेश वंदना** के मुखड़े की ये दोनों लाइनें –

सात सुरां बिन सुणल्यो रै लोगो, बात बणै नहिं गाणै की।
सुरगाँ सूं भी चोखी लागै, आ धरती हरियाणै की।।

मन को छू गई। **भई वाह्!** अपनी **"मायड़ भोम"** के प्रेम को इस तरह की उपमा से जोड़कर कहना कवि की कलम को सार्थक करता दिखाई देता है। बाबूलाल धनानिया द्वारा प्रदत्त हरियाणा के ऐतिहासिक विभिन्न नगरों की जानकारी भी अपना बहुमूल्य स्थान रखती है। ऐसी ही सामग्री वाले अंक संग्रहणीय होते हैं।

स्व. बी.डी. सुरेका की स्मृति में **प्रकल्प** की स्थापना का विचार सराहनीय है। सुरेकाजी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व निश्चित ही इस योग्य है।

और अब जहाँ तक **"रसगुल्ले के मालिकाना हक पर युद्ध"** (लेखक सीताराम शर्मा) लेख में बंगाल के रसगुल्लों पर उड़ीसा वालों के कब्जे की बात है या महाराष्ट्र के "बड़ा पाव" पर शिव सेना के कब्जे की, इतना ही कहना है कि –

कबजो नारी रै जोबन री ढाल हुवै है
सांचो नारी इज्जत रो रखवाळ हुवै है
कबजै री के बात करो हो थे शर्माजी!
कबजो मरदां रै जी रो जंजाळ हुवै है।

– **पं. ताऊ शेखावाटी**, सवाई माधोपुर (राज.)
मो.– ९४१४२७०३३६

श्रद्धांजलि

- वरिष्ठ समाजसेवी **मोहनलाल जी सोमानी** का राँची में १० दिसम्बर २०१५ को स्वर्गवास हो गया।
- शिवसागर (असम) शाखा के मंत्री **श्री विजय कुमार चित्तावत** ने सूचना दी है कि **धर्मपरायणा भगवती देवी सुरेका (धर्मपत्नी स्व. ईन्दरचन्द सुरेका)** का १८ दिसम्बर २०१५ को; **धर्मपरायणा चम्पा देवी गोयल (धर्मपत्नी स्व. चिरंजीलाल गोयल)** का २५ दिसम्बर २०१५ को; **धर्मपरायणा गीता देवी अग्रवाल (धर्मपत्नी श्री दामोदर प्रसाद अग्रवाल)** का १५ सितम्बर २०१५ को एवं **धर्मपरायणा रुक्मिणी देवी अग्रवाल (धर्मपत्नी स्व. रामनारायण अग्रवाला)** का २६ दिसम्बर २०१५ को स्वर्गवास हो गया है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की हार्दिक पुष्पांजलि!

सम्पादकीय

पाकिस्तान का क्या करें, लड़ें या बात करें?

– सीताराम शर्मा

अटल बिहारी बाजपेयी की प्रसिद्ध लाहौर बस यात्रा के बाद १९९९ में कारगिल, आगरा वार्ता के बाद २००१ में भारतीय संसद पर हमला, जरदारी सरकार के साथ बातचीत के बाद २००८ में मुंबई पर हमला, प्रधानमंत्री मोदी के शपथ समारोह में नवाज शरीफ को निमंत्रण के बाद हेरात (अफगानिस्तान) में भारतीय कन्सुलेट पर हमला, उफा (रूस) में वार्ता के बाद गरुदासपुर और अब मोदी की रोमांचक एवं आकस्मिक लाहौर यात्रा के बाद पठानकोट और उसके साथ अफगानिस्तान के मज़ार-ए-शरीफ में भारतीय कन्सुलेट पर हमला — यह कहानी है पिछले दो दशकों के पाक-भारत रिश्तों की। भारत बार-बार शांति की पहल करता है और मुँह की खाता है। आखिर पाकिस्तान का क्या करें? वार्ता जारी रहे या हम 'कट्टी' कर लें। हम पड़ोसी नहीं बदल सकते। पठानकोट एयर बेस पर हमला हर मायने में एक युद्ध जैसी कारवाई थी। क्या बदले में भारत को पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध छेड़ देना चाहिये — भारत के धैर्य की परीक्षा ले रहा है पाकिस्तान। दोनों देश आणविक शस्त्रों से सज्जित हैं और गत १९६५ एवं १९७१ के युद्धों की बजाय यह युद्ध कहीं अधिक विशाल एवं भयानक होगा। पाकिस्तान की हार सुनिश्चित है लेकिन अन्ततोगत्वा भारत की हार बड़ी होगी। हमारा देश आर्थिक ऊँचाईयों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। **हम विश्व में एक सुपर-पावर के रूप में उभरने की राह पर हैं। ऐसे मौके पर एक बड़ा युद्ध भारत के लिये न केवल आर्थिक रूप से बल्कि वैश्विक स्तर पर भी एक बड़ा धक्का साबित हो सकता है। लेकिन हम हाथ पर हाथ धरे भी नहीं बैठ सकते, यह सोचकर कि पाकिस्तान सुधरेगा और इन हरकतों से बाज आयेगा। भारत क्या करे?**

पठानकोट हमले में हमारी कई कमियाँ एवं कमजोरियाँ उजागर हुयी हैं। पूर्व सूचना के बावजूद हमारा जवाब कमजोर और असमंजस भरा था। एयर बेस के चारों ओर की सुरक्षा पर कई प्रश्न खड़े होते है। इस तरह के हमले पर एक स्पष्ट नीति एवं दिशा-निर्देश का अभाव था। ऑपरेशन का कमाण्ड अस्पष्ट एवं एड-हॉक था। एक घबड़ाहट की स्थिति थी, जिसमें सभी सुरक्षा एंजेसियों को झोंक दिया गया। इस तरह के सामरिक अड्डों पर कोई हमला करने की सोच भी नहीं सके, ऐसी व्यवस्था करने की जरूरत है। ५-६ आतंकवादियों ने न केवल पूर्ण सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती दे दी, साथ ही सात मूल्यवान सुरक्षाकर्मियों को भी शहीद होना पड़ा।

पाकिस्तान से वार्ता बन्द करना कोई समाधान नहीं है। इससे आतंकवादियों और पाकिस्तानी सेना की स्थिति ही मजबूत होगी। वार्ता ही गणतांत्रिक पाकिस्तान में राजनैतिक शक्तियों को ताकत प्रदान करेगी। यह पाकिस्तानी सेना के स्वार्थों के हित में है कि भारत-पाकिस्तान रिश्ते तनावपूर्ण रहें, बल्कि पाकिस्तान सेना के अस्तित्व का औचित्य ही यह तनावपूर्ण संबंध है।... इसके लिये भारत को अपनी सैन्य और आर्थिक शक्ति को और विकसित करना होगा। बढ़ी हुयी सैन्य ताकत पाकिस्तान को बड़ी जोखिम उठाने की हिम्मत को परास्त करेगी, वहीं हमारी बढ़ी आर्थिक शक्ति दुनिया में हमारी आवाज को नयी ताकत देगी।

पाकिस्तान से वार्ता बन्द करना कोई समाधान नहीं है। इससे आतंकवादियों और पाकिस्तानी सेना की स्थिति ही मजबूत होगी। वार्ता ही गणतांत्रिक पाकिस्तान में राजनैतिक शक्तियों को ताकत प्रदान करेगी। यह पाकिस्तानी सेना के स्वार्थों के हित में है कि भारत-पाकिस्तान रिश्ते तनावपूर्ण रहें, बल्कि पाकिस्तान सेना के अस्तित्व का औचित्य ही यह तनावपूर्ण संबंध है।

भारत-पाकिस्तान के रिश्तों को सुधारने में अमेरिका की बड़ी भूमिका हो सकती है, क्योंकि अमेरिका ही पाकिस्तान का सबसे बड़ा मददगार एवं संरक्षक रहा है। अमेरिका ने ही पाकिस्तान को अत्यन्त आधुनिक हथियारों से लैस किया है। **आज पाकिस्तान दुनिया में आतंकवाद का सबसे बड़ा गढ़ और संरक्षक बना हुआ है। अमेरिका आतंकवादी और आतंकपीड़ित दोनों को समान दर्जा नहीं दे सकता है। अमेरिका की पाकिस्तान के हृदय-परिवर्तन की उम्मीद अर्थहीन है।**

लेकिन साथ-साथ भारत को यह लड़ाई स्वयं लड़नी होगी। इसके लिये भारत को अपनी सैन्य और आर्थिक शक्ति को और विकसित करना होगा। बढ़ी हुयी सैन्य ताकत पाकिस्तान की बड़ा जोखिम उठाने की हिम्मत को परास्त करेगी, वहीं हमारी बढ़ी आर्थिक शक्ति दुनिया में हमारी आवाज को नयी ताकत देगी। आज की विश्व राजनीति एवं कूटनीति अर्थ की धुरी पर घुमती है। ★★★

२००६ में पारित वैवाहिक आचार संहिता : व्यवहार में परिणत कराये सम्मेलन

वैवाहिक समारोहों में फिजूलखर्ची, धन का भौड़ा प्रदर्शन, बेतरतीब नाच-गान और मद्यपान पिछले कई दशकों से एक ज्वलंत समस्या रहे हैं। सम्मेलन के विभिन्न मंचों पर इस विषय पर चर्चाएँ हुई हैं, चिन्तन शिविर आयोजित किए गए हैं, गोष्ठियाँ हुईं हैं। आज भी गाहे-बेगाहे यह प्रश्न उठता रहता है।

इस संदर्भ में सन् २००६ में आयोजित एक चिन्तन शिविर उल्लेखनीय है। सम्मेलन के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा की परिकल्पना से ४-५ नवम्बर २००६ को साल्टलेक, कोलकाता स्थित जयनारायण गुप्ता स्मृति भवन में आयोजित इस चिंतन शिविर में सम्मेलन के केन्द्रीय-प्रांतीय पदाधिकारी, महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्षा एवं अन्य पदाधिकारी, युवा मंच के पदाधिकारियों सहित स्थानीय विद्वानों एवं समाजचिंतकों ने शिरकत की। दो दिनों तक गहन विचार-मंथन के बाद एक वैवाहिक आचार-संहिता तय की गयी जो निम्नवत है :

- मिलनी सबकी ४ रुपया, चाँदी छोड़ कागज का रुपया।
- पानी से पापड़ तक अधिकतम २५ व्यंजन का नियम लागू हो।
- विवाह में दोनों पक्ष को मिलाकर यथासंभव सीमित उपस्थिति हो।
- कम खर्च वाले साधारण निमंत्रण पत्र छपने चाहिए।
- सज्जन गोठ बन्द हो।
- नेग का कार्यक्रम एक ही होना चाहिए।
- सगाई/विवाह की मिठाई का खर्च वर पक्ष ही वहन करें।
- बैण्ड, सड़क पर नाच, वैवाहिक समारोहों में शराब का उपयोग वर्जित हो।
- रात्रि के विवाह की वनिस्पत दिन के विवाह को प्राथमिकता दी जाए।

इस आचार-संहिता को सम्मेलन ने यथाशक्ति प्रचारित-प्रसारित किया। प्रांतीय शाखाओं ने भी अपने-अपने स्तर से कदम उठाए। एक विचार-मंच के रूप में सम्मेलन ने अपनी भूमिका निभायी, समाधान तलाशा किन्तु इसको व्यवहार में परिणत करने के लिए पूरे समाज के हर परिवार की भागेदारी जरूरी है।

आज की परिस्थितियों का अगर आप आकलन करें, तो पायेंगे कि कुल मिलाकर स्थिति शुभ नहीं है। आज फिर हमें इस विषय पर विचार करने, समाधान का मार्ग तय करने और सबसे जरूरी सभी को उस मार्ग पर कैसे लाया जा सके, यह सोचना है।

उपर्युक्त के आलोक में प्रांतीय इकाइयों, शाखा सम्मेलनों, समाजचिंतकों से उपरोक्त आचार संहिता को रूपायित करने हेतु पुनर्प्रयास का अनुरोध है।

रामअवतार पोद्दार
राष्ट्रीय अध्यक्ष

जुगलकिशोर सराफ
चेयरमैन,
समाज सुधार उपसमिति

सीताराम शर्मा
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं
चेयरमैन, सलाहकार उपसमिति

अध्यक्षीय

अधिकारों के साथ कर्त्तव्यों पर भी नजर हो!

– रामअवतार पोद्दार

मातृशक्ति, युवाशक्ति, भाइयों,
राम-राम, राधे-राधे!

सर्वप्रथम अंग्रेजी नव वर्ष पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई! आप सपरिवार स्वस्थ-सानंद रहें, २०१६ आपके लिए नित-नित नई खुशियाँ लायें, ये मेरी ईश्वर से प्रार्थना है!

आगामी २६ जनवरी को हम लोग अपना ६७वाँ गणतंत्र दिवस मनायेंगे। २६ जनवरी १९५० को अपने संविधान को अंगीकृत करने के बाद गत ६६ वर्षों में राष्ट्र ने बहुत उतार-चढ़ाव देखे। जहाँ अनेकों उपलब्धियाँ हासिल कीं, वही जटिल समस्याओं से भी दो-चार होना पड़ा। धक्के लगे, लड़खड़ाये किन्तु अपने मार्ग पर अनवरत आगे बढ़ते रहे। **सबसे बड़ी बात यह कि वाह्य-आंतरिक समस्याओं का सामना करते हुए चाहे कहीं और कमी आयी हो, दुनिया का यह सबसे बड़ा गणतंत्र अपनी मूल नीतियों, लोकतांत्रिक मूल्यों के पथ से विल्कुल नहीं डिगा और इनके बल से दिनानुदिन विश्व-समुदाय में अपनी प्रतिष्ठा बढ़ाने में सफल रहा है।**

> ***हमें अपने गणतंत्र की उपलब्धियों पर गौरवान्वित होने का पूरा अधिकार हैं; तथापि, इस अधिकार के दूसरे पहलू – अपने कर्त्तव्यों, के प्रति भी हमें सदैव सचेत रहना होगा। आज हमारे समक्ष जो राष्ट्रीय समस्याएँ हैं, उनके समाधान में खुद की भूमिका का निर्धारण और पालन भी हमारी जिम्मेवारियों की प्राथमिकता सूची में सबसे उपर होना चाहिए।***

हमें अपने गणतंत्र की उपलब्धियों पर गौरवान्वित होने का पूरा अधिकार हैं; तथापि, इस अधिकार के दूसरे पहलू – अपने कर्त्तव्यों, के प्रति भी हमें सदैव सचेत रहना होगा। आज हमारे समक्ष जो राष्ट्रीय समस्याएँ हैं, उनके समाधान में खुद की भूमिका का निर्धारण और पालन भी हमारी जिम्मेवारियों की प्राथमिकता सूची में सबसे उपर होना चाहिए।

अपने समाज के प्ररिप्रेक्ष्य में यहाँ राजनैतिक सक्रियता का उल्लेख करना आवश्यक हो जाता है। हम सबको पता है कि राजनैतिक उदासीनता हमारे समाज की कमियों में से एक है जो आज की परिस्थितियों में घातक हो सकती है। **अपने महान राष्ट्र की गौरवशाली लोकतांत्रिक प्रक्रिया का सक्रिय अंग बनकर हम न सिर्फ अपना एक महत्वपूर्ण कर्त्तव्य निभायेंगे, बल्कि स्वयं को एवं अपने समाज को भी सुदृढ़ बनायेंगे।**

गणतंत्र दिवस का राष्ट्रीय पर्व अपने उन महान पूर्वजों को भी याद करने का है जिनके त्याग और बलिदान से हमें यह फल प्राप्त हुआ है। राष्ट्र की स्वतंत्रता एवं इसके निर्माण में उनके योगदान हेतु हम उनके चिरऋणी हैं एवं कृतज्ञ आभार अर्पित करते हैं!

जो चढ़ गए पुण्यवेदी पर
लिए बिना गर्दन का मोल,
कलम आज उनकी जय बोल!

संगठन के मुद्दे पर आते हुए, गत १९ दिसम्बर २०१५ को भुवनेश्वर (ओडिशा) में सम्मेलन के अखिल भारतीय समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयी। मैं उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन एवं नवगठित भुवनेश्वर शाखा के सभी पदाधिकारियों/कार्यकर्ताओं को कुशल आतिथ्य एवं सुप्रबंधन हेतु बधाई देता हूँ और उनका आभार व्यक्त करता हूँ।

मेरे लिए अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि इस बैठक में सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाज-कल्याण के प्रति समर्पित श्री प्रह्लाद राय अगरवाला अगले सत्र हेतु निर्विरोध सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए। मुझे विश्वास है कि प्रह्लादजी के नेतृत्व में सम्मेलन लगातार प्रगति-पथ पर बढ़ेगा और नयी ऊँचाइयाँ छुएगा।

गणतंत्र दिवस पर हार्दिक बधाइयों सहित...

जय समाज, जय राष्ट्र! ★ ★ ★

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
२४वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन

प्रिय महोदय,

आठ दशक पूर्व १९३५ में हमारे पूर्वजों ने समाज को संगठित करने एवं उसके समग्र विकास के उद्देश्य से अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना की। समाज सुधार, समरसता, राजस्थानी भाषा का प्रचार एवं प्रोत्साहन तथा राष्ट्रीय एकता सम्मेलन के मुख्य उद्देश्य रहे हैं। प्रवासी मारवाड़ी समाज की एकमात्र प्रतिनिधि संस्था के रूप में सम्मेलन विभिन्न प्रांतों – आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, झारखंड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पूर्वोत्तर, तमिलनाडु, उत्कल, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड एवं पश्चिम बंग में कार्यरत हजारों सदस्यों के माध्यम से सामाजिक जागरूकता का कार्य कर रहा है। इसी वर्ष सम्मेलन के केन्द्रीय कार्यालय के क्रियाकलापों के सुचारू संचालन हेतु कोलकाता के ४१, शेक्सपीयर सरणी (डकबैक हाउस) में १,८९९ वर्गफीट आधुनिक कार्यालय-स्थल खरीदा गया है।

राष्ट्रीय अधिवेशन के अवसर पर सम्मेलन के मुखपत्र 'समाज विकास' का एक पठनीय एवं संग्रहणीय विशेषांक प्रकाशित किया जायेगा। विशेषांक में सदैव आपका सहयोग प्राप्त होता है। आशा ही नहीं, पूर्ण विश्वास है कि इस बार भी आपका विज्ञापनरूपी सहयोग प्राप्त होगा। रचनाकारों से लेख एवं संस्मरण भेजने का भी सादर अनुरोध है। कृपया निम्न विज्ञापन-प्रपत्र एवं रचनाएँ १५ फरवरी २०१६ के पूर्व भिजवाएँ।

आदर सहित...

रामअवतार पोद्दार राष्ट्रीय अध्यक्ष	**प्रह्लादराय अग्रवाल** राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	**सीताराम शर्मा** प्रधान सम्पादक, 'समाज विकास'

शिव कुमार लोहिया राष्ट्रीय महामंत्री	**आत्माराम सोंथलिया** चेयरमैन, वित्तीय उपसमिति	**गोपाल अग्रवाल** राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	**संजय कुमार हरलालका** राष्ट्रीय संगठन मंत्री

Advertisement Proforma

Advertisement Manager
Samaj Vikas
152B (2nd Floor), Mahatma Gandhi Road
Kolkata - 700 007
e-mail : aimf1935@gmail.com

Dear Sir,

Please publish a Cover / Inside Cover / Special / Full / Half Page Advertisement in your Special Issue to be brought out on the occassion of 24th National Adhiveshan.

Our cheque is enclosed / will be sent in due course on receipt of your bill.

Thanking you,

Sincerely Yours

(Signature)

Tariff

Cover Page (Colour)	Rs. 50,000.00
Inside Covers (Colour)	Rs. 30,000.00
Special (Full Page Colour)	Rs. 20,000.00
Full Page (Black & White)	Rs. 10,000.00
Half Page (Black & White)	Rs. 6,000.00

Mechanical Data

Overall Page Area	27x19cm
Print Area	23x17cm
No. of Column	Two

All Cheques in favour of "All India Marwari Federation".

LAST DATE FOR RECEIPT OF ADVERTISEMENT : 15 FEBRUARY 2016

प्रह्लाद राय अगरवाला निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित, कहा संगठन-विस्तार, कार्यक्रमों को गति देना होगी प्राथमिकता

"अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एक संयुक्त परिवार की तरह है और हमें अपना रोडमैप बना कर एक टीम की तरह कार्य करना होगा जिससे हम अपने कार्यक्रमों को गति दे सकें और अपने लक्ष्यों की ओर निरन्तर गतिशील रह सकें।" ये उद्‌गार सम्मेलन के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने व्यक्त किए। श्री अगरवाला १९ दिसम्बर २०१५ को भुवनेश्वर (ओडिशा) में आयोजित सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति की बैठक में निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक **भुवनेश्वर** स्थित मारवाड़ भवन में **उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन** के आतिथ्य में आयोजित की गयी।

श्री अगरवाला ने आगे कहा कि आठ दशक पूर्व स्थापित सम्मेलन ने समाज सुधार, समाज सेवा, शिक्षा आदि क्षेत्रों में अद्वितीय भूमिका निभाई है और इसके लिए सभी पूर्व अध्यक्षगण धन्यवाद के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि **मारवाड़ी समाज की विशेषता है परिश्रम एवं बुद्धिमता से कार्य कर धनार्जन करना और उसका सही उपयोग करना** तथापि समाज में समयानुसार कुछ कमियाँ भी आई हैं, जिन पर ध्यान देना होगा।

दीप प्रज्ज्वलन

बैठक का शुभारंभ सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार** ने राष्ट्रीय एवं स्थानीय पदाधिकारियों के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर किया। स्वागत समिति के अध्यक्ष **श्री सतीश चन्द्र गर्ग** ने भुवनेश्वर को जगन्नाथ जी की पावन धरती एवं लिंगराज जी की भूमि बताते हुए सभी का स्वागत किया।

अपने स्वागत वक्तव्य में उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री श्याम सुंदर अग्रवाल** ने यह महत्वपूर्ण बैठक भुवनेश्वर में आयोजित करने हेतु केन्द्रीय नेतृत्व का आभार-ज्ञापन किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव

चुनाव अधिकारी **श्री नंदलाल सिंघानिया** ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव हेतु सम्मेलन के संविधान की धारा १५ और राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की ०८ अगस्त २०१५ को आयोजित बैठक में पारित नियमावली के तहत चुनाव की प्रक्रिया का संक्षिप्त विवरण देते हुए बताया कि सम्मेलन की ११ सक्रिय प्रादेशिक इकाइयों में से १० ने एक ही नाम का प्रस्ताव किया और एक इकाई से कोई प्रत्युत्तर नहीं प्राप्त हुआ। अतः **सर्वानुमति मानते हुए सम्मेलन के वर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला को आगामी सत्र के लिए सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित घोषित किया जाता है।**

उपस्थित समुदाय ने करतल-ध्वनि से निर्वाचन अधिकारी की घोषणा का स्वागत किया और फिर बधाइयों का ताँता लग गया।

श्री अगरवाला को बधाई देते उत्कल सम्मेलन के पदाधिकारीगण।

बधाई देने वालों में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण सर्वश्री सुरेन्द्र लाठ, रमेशचन्द्र बंग, विनय सरावगी, राष्ट्रीय महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया, संगठन मंत्री श्री संजय हरलालका, संयुक्त महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी, उत्कल सम्मेलन के अध्यक्ष श्री श्याम सुंदर अग्रवाल, पश्चिम बंग सम्मेलन के अध्यक्ष श्री बिजय डोकानियाँ, मध्य प्रदेश सम्मेलन के अध्यक्ष श्री कमलेश नाहटा, उत्कल सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री नकुल अग्रवाल, झारखंड सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री राज कुमार केडिया, युवा मंच के उत्कल के प्रांतीय अध्यक्ष श्री मधुसूदन शर्मा आदि प्रमुख थे।

अखिल भारतीय समिति की पिछली बैठक (१४ जून २०१५; राँची) का कार्यवृत्त सर्वसम्मति से पारित हुआ।

अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार** ने सम्मेलन के प्रमुख गतिविधियों के विषय में संक्षेप में बताते हुए संगठन-विस्तार हेतु और अधिक सक्रियता का आह्वान किया। इस क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु उन्होंने बिहार, झारखंड एवं दिल्ली प्रादेशिक शाखाओं की प्रशंसा की। श्री पोद्दार ने बताया कि कोलकाता के शेक्सपीयर करणी के एक आधुनिक परिसर में करीब दो हजार वर्गफुट का कार्यालय-स्थल खरीदा गया है और शीघ्र ही केन्द्रीय कार्यालय को वहाँ शिफ्ट करने की योजना है।

श्री पोद्दार ने सम्मेलन के कार्यक्रमों से महिलाओं और युवकों को जोड़ने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि महिला सम्मेलन एवं युवा मंच के साथ समन्वय रखने का यथासंभव प्रयास किया गया है, फिर भी इस दिशा में और सक्रियता की आवश्यकता है।

विधायक श्री वैद प्रकाश अग्रवाल को सम्मानित करते राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने अपने उद्‌बोधन में हाल में ही भुवनेश्वर में सम्मेलन की शाखा की स्थापना को एक महत्वपूर्ण कदम बताया और इसके लिए उत्कल सम्मेलन को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रांत की राजधानी में शाखा होना सम्मेलन के संविधान के दृष्टिकोण से भी जरूरी है। बैठक में युवा मंच के स्थानीय नेतृत्व की उपस्थिति पर हर्ष व्यक्त करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि **आवश्यक है कि महिला सम्मेलन, युवा मंच एवं सम्मेलन, तीनों राष्ट्रीय स्तर से लेकर शाखा स्तर तक समन्वय के साथ काम करें।**

सम्मेलन द्वारा स्थापित उच्च शिक्षा कोष के विषय में बताते हुए श्री सीताराम शर्मा ने कहा कि **यह सुनिश्चित करना हमारा कर्त्तव्य है कि कोई भी मेधावी छात्र-छात्रा संसाधनों के अभाव में शिक्षा से वंचित न रह जाय।** उन्होंने राजनैतिक सक्रियता को भी अनिवार्य बताया और सभी से राजनैतिक प्रक्रिया में अपनी भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

बैठक में विशिष्ट आमंत्रित के रूप में पधारे **विधायक श्री वेद प्रकाश अग्रवाल** ने सम्मेलन की गतिविधियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि समाज में राजनैतिक सक्रियता की कमी है और इसके लिए लोगों को आगे आना होगा।

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने अखिल भारतीय समिति की पिछली बैठक (१४ जून २०१५; राँची) के बाद के सम्मेलन के क्रियाकलापों पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की।

मध्य प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री कमलेश नाहटा**, पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री बिजय डोकानियाँ** एवं झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री **श्री बसंत कुमार मित्तल** ने अपने-अपने प्रदेशों में सम्मेलन की गतिविधियों पर संक्षिप्त रपट प्रस्तुत की।

श्री प्रह्लाद राय अगरवाला : संक्षिप्त जीवन परिचय

७६ वर्षीय श्री प्रह्लाद राय अगरवाला जिला सीकर (राजस्थान) के मूल निवासी स्व. बैजनाथ अगरवाला के ज्येष्ठ सुपुत्र हैं। आपका परिवार बहुत पहले कोलकाता आकर स्थायी रूप से यहीं बस गया है। आपने बी.कॉम., एल.एल.बी. की शिक्षा प्राप्त की है।

करीब ५० वर्षों से श्री अगरवाला कपड़ा-उत्पादन उद्योग से जुड़े हैं। आप इस क्षेत्र में राष्ट्र के अग्रणी संस्थानों सुविख्यात रूपा एण्ड कम्पनी लिमिटेड एवं रूपा डायिंग एण्ड प्रिंटिंग प्रा. लिमिटेड के चेयरमैन हैं। आप पूर्वी भारत में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखने वाली भारत चैम्बर ऑफ कॉमर्स, कोलकाता के प्रेसिडेंट रह चुके हैं। आप कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत अपारेल, मेड-अप्स एण्ड होम फर्निसिंग सेक्टर स्कील काउंसिल की गवर्निंग काउंसिल के मेम्बर हैं।

श्री अगरवाला युवावस्था से ही सामाजिक एवं शैक्षणिक सेवाकार्यों में गहरी रूचि रखते हैं। आप सोभासरिया इंजीनियरिंग कॉलेज, सीकर (राजस्थान) की गवर्निंग बॉडि के चेयरमैन; हेरिटेज स्कूल के ट्रस्टी, हेरिटेज इंस्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कोलकाता के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन; जसीडीह आरोग्य भवन के ट्रस्टी एवं शंकर नेत्रालय की एडवायजरी काउंसिल के मेम्बर हैं।

श्री अगरवाला अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रारम्भिक विशिष्ट संरक्षक सदस्यों में से एक हैं। उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा में मेधावी एवं जरूरतमंद छात्र-छात्राओं की सहायता हेतु सम्मेलन द्वारा गठित उच्च शिक्षा कोष के वे गठन-काल से ही चेयरमैन हैं। वर्तमान सत्र में आप सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं।

श्री अगरवाला ३१ मई २०१४ से भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत कोलकाता में रिपब्लिक ऑफ कोलम्बिया के मानद कंसुल हैं।

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री **श्री जगदीश गोलपुरिया** ने बताया कि उत्कल सम्मेलन इस वर्ष सम्मेलन का स्थापना दिवस (२५ दिसम्बर) वरिष्ठ नागरिक सम्मान दिवस के रूप में मनाएगा। उन्होंने उन्नतिमूलक कार्यों हेतु गाँवों को गोद लेना, नेत्रदान, शिक्षा विकास कोष, कन्या भ्रूण संरक्षण जैसे सामाजिक-शैक्षणिक क्षेत्रों में उत्कल सम्मेलन के प्रयासों और भावी योजनाओं का विस्तृत विवरण दिया।

श्री रमेशचन्द्र बंग का अभिनंदन करते भुवनेश्वर शाखा के मंत्री श्री रवि अग्रवाल, दाहिने (बैठे हुए) श्री विनय सरावगी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार को सम्मान-पत्र देते उत्कल सम्मेलन के अध्यक्ष श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल।

बैठक को संबोधित करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री रमेशचन्द्र बंग** ने महाराष्ट्र में सदस्यता बढ़ाने और महिलाओं-युवकों को सम्मेलन के साथ जोड़ने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सम्मेलन की पहुँच दूर-दराज के क्षेत्रों तक बनानी होगी। नवनिर्वाचित अध्यक्ष को बधाई देते हुए श्री बंग ने उन्हें हर प्रकार के सहयोग देने की बात कही।

शववाहिनी 'वैकुण्ठ रथ' का लोकार्पण

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री विनय सरावगी** ने कहा कि सम्मेलन की अपनी एक संस्कृति है जिसे अक्षुण्ण बनाए रखना होगा। उन्होंने कहा कि गत महीनों में सम्मेलन के कार्यक्रमों में गति आई है और आशा है कि यह गति बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि बिहार और झारखंड में सम्मेलन के कार्यक्रमों, संगठन-विस्तार में प्रगति के प्रति हम प्रतिबद्ध हैं।

बैठक के दौरान समाजसेवी उद्योगपति **श्री अशोक लाखोटिया** के सौजन्य से सम्मेलन की भुवनेश्वर शाखा को उपलब्ध करायी गयी **वातानुकूलित शववाहिनी "वैकुण्ठ रथ"** का लोकार्पण राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार के कर-कमलों से हुआ।

बैठक में **उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की पत्रिका 'झलक'** के दीपावली विशेषांक (अक्तूबर-नवम्बर २०१५) एवं **झारखंड प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन की पत्रिका 'संकल्प'** के दिसम्बर २०१५ अंक का विमोचन किया गया। सम्मेलन की भुवनेश्वर शाखा द्वारा समाजसेवा एवं अन्य क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान हेतु स्थानीय समाजबंधुओं को सम्मानित भी किया गया।

बैठक में वक्ताओं ने मुक्तकंठ से उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन एवं भुवनेश्वर शाखा के कुशल आतिथ्य की सराहना की। उत्कल के प्रभारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री सुरेन्द्र लाठ के मार्गदर्शन एवं उत्कल सम्मेलन के अध्यक्ष श्री श्याम सुंदर अग्रवाल, महामंत्री श्री जगदीश गोलपुरिया, मंत्री श्री उमेश खाण्डेलवाल, संयोजक श्री गौरीशंकर अग्रवाल, मीडिया प्रभारी श्री लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, भुवनेश्वर शाखा के अध्यक्ष श्री अशोक अग्रवाल, उपाध्यक्षगण सर्वश्री मनोज अग्रवाल एवं धीरज खाण्डेलवाल, मंत्री श्री रवि अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री मनोज बाजोरिया, संयोजक श्री राजेश केजड़ीवाल, जनसम्पर्क अधिकारी श्री पंकज भूत, सर्वश्री दिलीप खण्डेलवाल, चंद्रेश्वर अग्रवाल, मुरारी खण्डेलवाल, जीतेन्द्र गुप्ता** आदि के सक्रिय सहयोग से बैठक का आयोजन भव्य एवं सुचारू ढंग से हुआ।

समाजसेवी श्री अशोक लाखोटिया को सम्मानित करते राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा।

श्री सतीश चन्द्र गर्ग को सम्मानित करते राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सुरेन्द्र लाठ।

अंत में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री सुरेन्द्र लाठ** ने धन्यवाद-ज्ञापन किया एवं सभा सम्पन्न हुई। सभा का संचालन उत्कल सम्मेलन के मंत्री **श्री उमेश खण्डेलवाल** एवं भुवनेश्वर शाखा के संयोजक **श्री राजेश केजड़ीवाल** ने किया। ★ ★ ★

कुशल आतिथ्य : उत्कल सम्मेलन/भुवनेश्वर शाखा के पदाधिकारी/कार्यकर्तागण; साथ में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

प्रादेशिक पदाधिकारियों के दौरे

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार २० सितम्बर २०१५ को शाखा भ्रमण दिवस के रूप में मनाया गया। विभिन्न प्रादेशिक पदाधिकारियों ने उस दिन निम्नवत दौरे किए।

● प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला** ने कार्यकारिणी सदस्य **श्री महेश जालान** एवं शिक्षा प्रकोष्ठ के मंत्री **श्री योगेश तुलस्यान** ने छपरा, हाजीपुर एवं पटना सिटी शाखा का दौरा किया।

➢ छपरा में आयोजित सभा में प्रमण्डलीय उपाध्यक्ष **श्री पवन कुमार अग्रवाल**, प्रमंडलीय मंत्री **श्री हरिकिशन चाँदगोठिया**, **श्री श्याम लाल चौधरी** सहित स्थानीय पदाधिकारी/कार्यकर्ता उपस्थित थे। उपस्थित सदस्यों ने अपने विचार रखे।

➢ हाजीपुर में पदाधिकारियों ने स्थानीय लोगों से सम्पर्क एवं विचार-विमर्श किया। इस क्रम में **श्री युगल किशोर चिरानिया** की दूकान पर विचार-विमर्श किया गया।

➢ पटना सिटी शाखा द्वारा शाखाध्यक्ष **श्री ईश्वर प्रसाद गोयनका** की अध्यक्षता में प्रादेशिक अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला हेतु एक अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में सम्मेलन के स्थानीय पदाधिकारियों के अतिरिक्त मारवाड़ी महिला समिति की **अध्यक्षा श्रीमती कविता पोद्दार**, मारवाड़ी युवा मंच के पटना सिटी शाखा अध्यक्ष **श्री प्रकाश कोठारी**, महिला समिति की पूर्व प्रादेशिक अध्यक्षा **श्रीमती उषा पोद्दार**, **श्रीमती मीना गुप्ता**, **सर्वश्री धर्मचंद सरावगी**, **पुरूषोत्तम दास पोद्दार** आदि ने प्रादेशिक अध्यक्ष को सम्मानित किया। सम्मेलन की पटना सिटी शाखा के सचिव **श्री सुशील पोद्दार** ने शाखा के क्रियाकलापों के विषय में बताया। इस अवसर पर चालीस नये सदस्यों ने सम्मेलन की आजीवन सदस्यता ग्रहण की। **श्रीमती सुमन पोद्दार** ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

● क्षेत्रीय उपाध्यक्ष **श्री राजीव केजड़ीवाल**, सहायक मंत्री (उत्तर बिहार) **श्री पवन कुमार बंका**, दरभंगा प्रमंडल के उपाध्यक्ष **श्री विनोद सरावगी** एवं मंत्री **श्री नीरज खेड़िया** ने झंझारपुर बाजार, झंझारपुर स्टेशन तथा दरभंगा शाखा का दौरा किया।

➢ झंझारपुर बाजार स्थित श्री श्याम मंदिर में शाखा सदस्यों के साथ बैठक हुई। **श्री राजीव केजड़ीवाल** ने शाखा चुनाव समय पर कराने तथा संगठन को मजबूत बनाने के निमित्त अधिकाधिक सदस्य बनाने पर जोर दिया एवं सदस्य निर्देशिका के लिए विवरण-पत्र भरकर भिजवाने का अनुरोध किया। शाखा से एक आजीवन सदस्य भी बने।

➢ झंझारपुर स्टेशन शाखा की बैठक **श्री अजय टिबड़ेवाल** के निवास स्थान पर समाज बन्धुओं के साथ हुई। **श्री नीरज खेड़िया** ने शाखा में मासिक बैठक करने एवं शाखा गतिविधियों की जानकारी भिजवाने का अनुरोध किया।

➢ दरभंगा में **श्री बद्री प्रसाद मेहनसारिया** की अध्यक्षता में बैठक हुई। उन्होंने शाखा द्वारा किये जा रहे कार्यक्रमों यथा होमियोपैथिक एवं एलोपैथिक चिकित्सा सेवा, शीतल पेयजल की व्यवस्था, झंडोत्तोलन, आम सभा एवं कार्यकारिणी की बैठकों की जानकारी दी।

● क्षेत्रीय उपाध्यक्ष **श्री अशोक कुमार तुलस्यान** एवं सहायक मंत्री **श्री प्रेम कुमार वर्मा** ने बड़हिया, सूर्यगढ़ा एवं लक्खीसराय शाखाओं का दौरा किया गया।

श्री तुलस्यान ने दौरे पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संगठन को मजबूत बनाने तथा शाखाओं में सकियता लाने हेतु दौरों का बहुत महत्व है। साथ ही स्थानीय लोगों से मिलकर परस्पर संवाद के माध्यम से एक-दूसरे के विषय में जानने-समझने का मौका मिलता है।

अग्रसेन जयन्ती

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा हर साल की तरह इस साल भी समाज के प्रवर्तक महाराजाधिराज अग्रसेन जी की जयन्ती १८ अक्तूबर २०१५ को सम्मेलन सभाकक्ष में मनायी गयी। समारोह की अध्यक्षता प्रादेशिक अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला ने की।

बिहार सम्मेलन के पूर्व अध्यक्षगण **सर्वश्री रामपाल अग्रवाल नूतन एवं कमल नोपानी**, **महामंत्री ओ. पी. टिबड़ेवाल**, **महेश जालान**, **नवीन टिबड़ेवाल**, **रामावतार पोद्दार**, **विनोद कृष्ण कानोडिया**, **निर्मल गुटगुटिया**, **श्रीमती सरोज गुटगुटिया**, **गणेश कुमार खेमका**, **राजेश सिकारिया**, **महावीर प्रसाद बिदासरिया**, **शिव कुमार पोद्दार**, **रंजीत माखरिया**, **मुकेश हिसारिया**, **प्रह्लाद शर्मा** आदि ने महाराजा अग्रसेन जी की पूजा अर्चना की तथा उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला। वरीय उपाध्यक्ष श्री बिनोद तोदी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

दीपावली उत्सव

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा दीपावली के शुभ अवसर पर १ नवम्बर २०१५ को न्यू पटना क्लब, वीरचन्द पटेल मार्ग, पटना के प्रांगण में "दीपावली उत्सव" कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें काफी संख्या में समाज के लोग उपस्थित हुए।

कार्यक्रम का उद्घाटन अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रवि कुमार अग्रवाल** के कर-कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ।

सदस्यता-विस्तार

गत ११-१२ जुलाई २०१५ को आयोजित बिहार सम्मेलन के २९वें प्रादेशिक अधिवेशन के बाद वर्तमान सत्र (२०१५-१७) में अब तक २ संरक्षक एवं ९९ आजीवन सदस्य बने हैं। ★★★

IISD

A Gateway to Careers

SREI Foundation

"Educate Morally & Technically"
— Swami Vivekananda

Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100%

Quality Higher Education at lowest prices
– a corporate social responsibility

2 Yrs. **PGDM** ₹ 1,00,000 (AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION)

2 Yrs. # **MBA** + **PGDM** ₹ 1,70,000 (AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION)

3 Yrs. # **BBA** ₹ 75,000

2 Yrs. **MBA+ PGPM** ₹ 85,000

3 Yrs. # **BCA** ₹ 75,000

2 Yrs. **MBA** (Hospital Mgmnt.) ₹ 95,000

DUAL SPECIALISATION AVAILABLE

ELIGIBILITY & SELECTION
FOR MBA/PGDM

- BACHELOR'S DEGREE IN ANY DISCIPLINE WITH 50% SCORE
- APPEARING FOR FINAL DEGREE EXAMINATION
- GROUP DISCUSSION
- PERSONAL INTERVIEW
- APTITUDE TEST
- APPLICANTS WITH CAT / MAT / XAT ARE PREFERRED

Assistance for placement

- Eminent Faculty
- Online Application Facility
- Regular / Weekend Classes
- Hostel
- AC Classrooms
- P G Accommodation

Complimentary Courses

- Spoken English
- Foreign Languages
- Bengali & Sanskrit
- ERP Training (Microsoft Certified)
- Company Secretaryship / Chartered Accountancy / Administrative Services
- Entrepreneurship Development
- Theology

Other Courses :

- Company Secretaryship
- Advocateship
- E-Tuition
- Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
- Retail Management
- **Preparatory course for Entrance Examination of MD, MS, MRCP (Medicine) – Part-I and DNB – Part-I**
- **Language Courses : Functional English, Spoken English, Spanish, Italian, Russian, German, Chinese, Japanese, Arabic, Burmese, Persian, French, Korean, Sanskrit, Bengali and Hindi**
- **Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)**
- **WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)**
- **Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)**
- **NDA / CDS – UPSC Examinations and SSB Interview**
- **Certificate Course on Computer Applications**
- **Advanced Diploma in Financial Management**
- **Vocational & Technical Training**
- **Entrepreneurship Development**
- **Diploma in Banking and Finance**
- **Certificate course on theology**

Recognised by UGC, Ministry of HRD, Govt. of India, Approved by Joint Committee of UGC, AICTE & DEC

INSTITUTE FOR INSPIRATION & SELF DEVELOPMENT

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in
Website : www.iisdedu.in

9, Syed Amir Ali Avenue, 5th Floor
Kolkata- 700017, Ph : (033) 2290 0338

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

वरिष्ठ नागरिक सम्मान दिवस

गत १ नवम्बर २०१५ को आयोजित उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक में निर्णय लिया गया कि सम्मेलन का स्थापना दिवस (२५ दिसम्बर) इस वर्ष वरिष्ठ नागरिक सम्मान दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इसी बैठक में सम्मेलन के वरिष्ठ सदस्यों – **श्री काशी प्रसाद झुनझुनवाला (राउरकेला), श्री गिरधारीलाल केड़िया (तुषरा), श्री मोतीलाल अग्रवाल (बरपाली), श्री गोपीनाथ अग्रवाल (बलांगीर), श्री नेकीराम जैन (केसिंगा), श्री सुरजमान जैन, भवानी (पटना)** को समाज के प्रति विशिष्ट योगदान के लिए सम्मानित भी किया गया।

मनिगुडा शाखा की बैठक को संबोधित करते प्रादेशिक अध्यक्ष श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल।

उक्त बैठक में लिए निर्णय के अनुसार २५ दिसम्बर २०१५ को प्रांतीय पदाधिकारियों ने विभिन्न शाखाओं में बैठकें कर राज्यव्यापी वरिष्ठ नागरिक सम्मान दिवस का आयोजन किया। अध्यक्ष **श्री श्याम सुंदर अग्रवाल** एवं संयोजक (प्रशासनिक समन्वय) **श्री विष्णु केड़िया** ने रूपरा रोड एवं मनिगुडा, उपाध्यक्ष **श्री सुभाष सितानी** एवं महामंत्री **श्री जगदीश गोलपुरिया** ने झारसुगुड़ा, उपाध्यक्ष **श्री जयप्रकाश लाठ** ने बरगड़, मंत्री **श्री अशोक अग्रवाल** एवं **श्री किशन अग्रवाल** ने सोहेला, उपाध्यक्ष **श्री दुर्गा प्रसाद अग्रवाल** एवं **श्री रामकुमार गुप्ता** ने झारबन्ध और पाइकमाल, निवर्तमान महामंत्री **श्री मनोज जैन** ने पद्मपुर, उपाध्यक्ष **श्री नंदकिशोर अग्रवाल** एवं **श्री अशोक छापड़िया** ने बलांगीर, **श्री मनसुख सेठिया** ने कटक, राष्ट्रीय-प्रांतीय संयोजक **श्री गौरीशंकर अग्रवाल** एवं **श्री वेदप्रकाश अग्रवाल** ने टिटिलागढ़, **श्री कैलाश मरोड़िया** ने खरियार रोड तथा नुआपाड़ा, उपाध्यक्ष **श्री सुभाष सितानी** ने ब्रजराजनगर और **श्री चंद्रशेखर अग्रवाल** ने बरपाली में सभा कर यह कार्यक्रम मनाया।

झारसुगुड़ा शाखा की बैठक में प्रादेशिक महामंत्री श्री जगदीश गोलपुरिया (बायें) वरिष्ठ नागरिकों के साथ

उत्कल के प्रभारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री सुरेन्द्र लाठ** ने संबलपुर में सभा की।

इस अवसर पर बलांगीर शाखा द्वारा निःशुल्क अस्थिशल्य जाँच शिविर का आयोजन भी किया गया।

मनिगुडा शाखा का गठन

२५ दिसम्बर २०१५ को ही प्रांतीय अध्यक्ष श्री श्याम सुंदर अग्रवाल की उपस्थिति में मनिगुडा में नयी शाखा का गठन भी किया गया। प्रांतीय महामंत्री श्री जगदीश गोलपुरिया नें सूचना दी है कि उस शाखा के गठन में रूपरा रोड शाखा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। ★ ★ ★

पूर्वोत्तर सम्मेलन के पदाधिकारियों का दौरा, ढेकियाजुली में स्थापित होगी नयी शाखा

पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री मधुसूदन सीकरिया** के नेतृत्व में एक छः सदस्यीय प्रांतीय प्रतिनिधिमंडल ने खारुपेटिया एवं ढेकियाजुली का दौरा किया। खारूपेटिया में एक सभा आयोजित कर समाज के वयोवृद्ध नागरिकों हेतु सम्मान समारोह आयोजित किया गया। शाखा द्वारा गरीब और वंचित तबके के लोगों के बीच कंबल वितरित किए गए। शाखाध्यक्ष **श्री अशोक नागौरी** की अध्यक्षता में आयोजित सभा को प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री मधुसूदन सीकरिया**, उपाध्यक्ष **श्री सुनील शर्मा** एवं महामंत्री **श्री प्रमोद तिवाड़ी** ने संबोधित किया।

ढेकियाजुली में सभा कर वहाँ सम्मेलन की शाखा की स्थापना हेतु एक तदर्थ समिति का गठन किया गया। वरिष्ठ समाजसेवी **श्री चंदनमल बोथरा** को समिति के संयोजक एवं **सर्वश्री महेश चांडक** तथा **राजकुमार अग्रवाल** समिति के सह-संयोजक होंगे।

जोरहाट शाखा का दीपावली मिलन एवं सम्मान समारोह

(बाएँ) श्रीमती सीमा सिंघी के सम्मानित करतीं श्रीमती मंजु बंसल, साथ में परिलक्षित हैं श्री अनिल केजड़ीवाल;
(दायें) श्री ओमप्रकाश गट्टानी को सम्मान-पत्र देते श्री बाबूलाल गगड़।

गत १२ नवम्बर २०१५ को सम्मेलन की जोरहाट शाखा द्वारा स्थानीय श्री मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी प्रांगण में भव्य ढंग से दीपावली मिलन समारोह मनाया गया। समारोह में अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, मारवाड़ी युवा मंच, श्री मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी सहित समाज की अन्य कई धार्मिक-सामाजिक संस्थाएँ सम्मिलित थीं।

इस अवसर पर उद्योगपति एवं समाजसेवी **श्री ओमप्रकाश गट्टाणी** को "मारवाड़ से कामरूप – जोरहाट का मारवाड़ी समाज" पुस्तक के संकलन/प्रकाशन हेतु जोरहाट शाखाध्यक्ष **श्री बाबूलाल गगड़** द्वारा एवं **श्रीमती सीमा सिंघी** को पारिवारिक पृष्ठभूमि पर आधारित उनकी पुस्तक "बागवान – एक सुहाना सफर" के लिए महिला सम्मेलन की जोरहाट शाखा अध्यक्षा **श्रीमती मंजु बन्सल** द्वारा सम्मानित किया गया। सभा का संचालन **श्री किशन बजाज** एवं मेमेन्टो-पठन जोरहाट शाखा के मंत्री **श्री अनिल केजड़ीवाल** ने किया।

समारोह में प्लास्टिक थैलियों के उपयोग से पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव के विषय में उपस्थित महिलाओं-पुरूषों को जागरूक करने का प्रयास किया गया और इसका प्रयोग बंद करने का अनुरोध किया गया। ★ ★ ★

कविता

नुवों आप नैं साल, मुबारक

महँगाई री मार, मुबारक
जींणो है दुसवार, मुबारक
च्यार जणा तांणी हाँडी में
सीझै चावळ च्यार, मुबारक

परसादी सी चटणी रोटी
चरणाम्रत सी दाल, मुबारक
नुवों आप नैं साल, मुबारक

नेता होता न्ह्याल, मुबारक
पुलिस खींचती खाल, मुबारक
जनता भोळी गाय बापड़ी
जी लेसी हर हाल, मुबारक

भूखा मरता लाल, मुबारक
साँड चर रया माल, मुबारक
नुवों आपनौं साल, मुबारक

मोदी राहुल खेल, मुबारक
मन को मोहन फैल, मुबारक
सांप नेवलो जिस्यो बिहारी
लालू नीतीश मेल, मुबारक

पांच साल दिल्ली गद्दी पर
यार! केजरीवाल मुबारक
नुवों आप नैं साल, मुबारक

आस और विश्वास, मुबारक
होतो सत्यानास, मुबारक
ताऊ का जितणा है जग में
सगळा खासम-खास, मुबारक

बिगडंती सुरताल, मुबारक
लोग बजाता गाल, मुबारक
नुवों आप नैं साल, मुबारक

बीत गयो बीं नैं मत जो'वो
बीज नुवाँ ओजूँ स्यूँ बो'वो
सुख स्यूँ जीवै मिनख जगत में
कोई जैसो रस्तो टो'वो

नुवैं साल री नुवीं फसल में
आतो चोखो फाल, मुबारक
नुवों आप नैं साल, मुबारक

– पं. ताऊ शेखावाटी
सवाई माधोपुर (राज.)
मो. ०९४१४२ ७०३३६

समाचार-सार

राष्ट्रीय चेतना जागृत करता है डॉ. हेडगेवार का चिंतन : श्री गुणवन्त सिंह कोठारी

'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार का मानना था कि हमारे पतन का मूल कारण अंग्रेज या अन्य विदेशी आक्रमणकारी नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति के भाव से क्षीण सुसुप्त हिन्दू समाज है। इसलिए उन्होंने संघ शाखा की अभिनव पद्धति के माध्यम से व्यक्ति में राष्ट्रीय चेतना जागृत करने का अद्‌भुत कार्य किया और अपने संसर्ग से हजारों-हजारों कार्यकर्त्ताओं में हिन्दू स्वाभिमान उत्पन्न किया, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय संगठन खड़ा कर देश की सेवा की अनूठी मिसाल प्रस्तुत की है। ये विचार हैं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह-सेवा प्रमुख **श्री गुणवन्त सिंह कोठारी** के, जो २७ दिसम्बर २०१५ को श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय के तत्त्वावधान में आयोजित डॉ. हेडगेवार की १२५वीं जयन्ती व्याख्यानमाला के अंतर्गत पाँचवें व्याख्यान में **'राष्ट्रीय चरित्र निर्माण में डॉ. हेडगेवार की भूमिका'** विषय पर कोलकाता स्थित महाजाति एनेक्सी में बतौर प्रधान वक्ता बोल रहे थे।

आचार्य विष्णुकांत शास्त्री के गीता प्रवचनों की तृतीय एवं अन्तिम आडियो डी.वी.डी. का लोकार्पण करते सर्वश्री गुणवन्त सिंह कोठारी, लक्ष्मीनारायण भाला एवं केशव राव दीक्षित; साथ में परिलक्षित हैं सर्वश्री महावीर बजाज, अरुण प्रकाश मल्लावत एवं श्रीमती दुर्गा व्यास।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए रा. स्व. संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं साहित्य लेखन समिति के संयोजक **श्री लक्ष्मीनारायण भाला** ने कहा कि डॉ. साहब ने गहन चिंतन के पश्चात व्यक्ति के चरित्र निर्माण की ऐसी विशिष्ट पद्धति स्थापित की जो असहज जीवन को सहज बनाना, असंभव को संभव करना तथा सामान्य को असामान्य बनाना सिखाती है और आज भी प्रासंगिक है।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक तथा डॉ. हेडगेवार के निकट सम्पर्क में रहे **श्री केशव राव दीक्षित** का सम्मान किया गया। श्री दीक्षित ने डॉ. साहब के सान्निध्य के संस्मरण सुनाते हुए अपने सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर **स्व. आचार्य विष्णुकांत शास्त्री** के गीता-प्रवचनों की तृतीय ऑडियो डी.वी.डी. (अध्याय १३ से १८) का लोकार्पण श्री गुणवंत सिंह कोठारी के कर-कमलों से सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ **श्री सत्यनारायण तिवाड़ी** द्वारा प्रस्तुत **'देश के लिए जिएँ, समाज के लिए जिएँ'** गीत से हुआ। पुस्तकालय की साहित्यमंत्री **श्रीमती दुर्गा व्यास** ने स्वागत-भाषण दिया। कार्यक्रम का संचालन किया पुस्तकालय के मंत्री **श्री महावीर बजाज** ने एवं धन्यवाद-ज्ञापन किया **डॉ. गिरिधर राय** ने। कार्यक्रम में कोलकाता एवं हावड़ा महानगर के समाजसेवी, साहित्यकार, कार्यकर्त्ता तथा गणमान्य लोग भारी संख्या उपस्थित थे। ★ ★ ★

Comprehensive and Exclusive

Business Economics

... Truly reflecting global aspirations!

Subscribe

100% Bargain

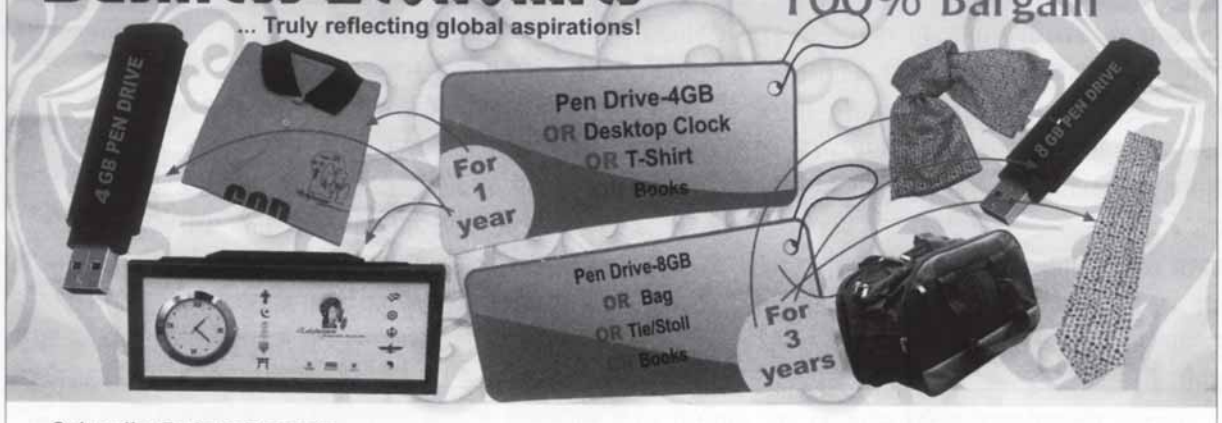

Subscribe Business Economics :

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

Tick	Term	No. of Issues	Price you pay	Gift Value	Saving	US $	UK £	Gift Option
☐	3 Years	72	1440/-	1440/-	1440/-	216	144	☐ 8GB Pen Drive OR ☐ Bag OR ☐ Tie/Stoll OR ☐ Books
☐	1 Year	24	480/-	480/-	480/-	72	48	☐ 4GB Pen Drive OR ☐ Desktop Clock OR ☐ T-Shirt OR ☐ Books
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ Exclusively for Students/Institutions
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS

For 1 year Book of choice upto ₹ 480 | **For 3 years Books of choice upto ₹ 1440**

Business Economics — Subscription Form

Name : Mr./Ms. _____

Address : _____

_____ City/District: _____

State: _____ Country: _____ Pin Code : ☐☐☐☐☐☐

E-mail : _____ Mobile : _____ Landline : _____ (STD CODE)

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. _____ dated: _____ for Rs. _____ drawn on: _____

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature: _____ date: _____

Mail this subscription form along with your Cheque / DD to : Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

For Subscription enquiries contact : Kolkata : Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai :** Rajendra Singh : 90290 84951
New Delhi : Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima :** Povotso Lohe : 94360 05889

Lucky DRAW

QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :
1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-

विवेकानन्द जयन्ती (१२ जनवरी) पर विशेष

नायक बनो!

– शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय महामंत्री

स्वामी विवेकानन्द युवाओं के हृदय-सम्राट थे। उनका जन्मदिन राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप से पालन किया जाता है। तैत्तिरीय उपनिषद (२-४) में कहा गया है – साधु युवा, अध्य यकः, असिष्ठो, द्रधिष्ठो, बलिष्ठः। यानि सुशीक्षित, आशाओं से परिपूर्ण, उत्तम मानसिक उर्जा एवं लक्ष्य, मजबूत शारीरिक शक्ति अच्छे युवा के गुण हैं। उपनिषद में एक और गुण का उल्लेख मिलता है – तस्यैयम् पृथ्वी सर्व वित्तस्य पूर्ण स्यात। यानि विश्व की सारी संपत्ति उसके अधीन हो। युवाओं को संबोधित करते हुए स्वामीजी ने संदेश दिया था – हे भाग्यशाली युवा, अपने महान कर्त्तव्य को पहचानो। इस अद्‌भुत सौभाग्य को महसूस करो। इस रोमांच को स्वीकार करो। ईश्वर तुम्हें कृपादृष्टि के साथ देखता है और वह तुम्हारी सहायता एवं मार्गदर्शन के लिये सदैव तत्पर है। मैं तुम्हारे महान बनने की कामना करता हूँ। विश्व ने अपना विश्वास तुम्हारे उपर जताया है। तो युवा का अर्थ है स्वयं पर विश्वास रखना, अपने आशावादी निश्चय एवं संकल्प का अभ्यास करना और स्वसंस्कृति के इस सुंदर कार्य में अच्छे इरादों की इच्छा रखना। वास्तव में अपने जीवन को आकार देना तुम्हारे हाथ में हैं। सद्‌गुण का अभ्यास करते, सद्‌गुणों के प्रति दृढ़ रहो; सद्‌गुणों में खुद को स्थापित करो। सद्‌गुणों की प्रभावशाली आभा बनो और अच्छाई का अनुसरण करो – युवा इस भव्य प्रक्रिया के लिए बना है। युवा जीवन इन प्रक्रियाओं का सक्रिय विकास एवं सम्पादन है। तुम्हारा यह समय जीवन की इस अति महत्वपूर्ण और अति आवश्यक प्रक्रिया के लिये उपयुक्त और अनुकूल कार्यक्षेत्र मुहैया करवाता है। यह युवा जीवन का विशिष्ट, अति महत्वपूर्ण और उच्चतम मूल्य है। यह महान व्यक्तित्व की रचना का अभिप्राय बतलाता है। यह आत्म विकास एवं आत्म निर्माण है। 'सफल जीवन' शब्द का सही आशय जानने का प्रयास करो। जब तुम जीवन के संदर्भ में सफल होने की बात करते हो तो उसका मतलब मात्र उन कार्यों में सफल होना नहीं जिन्हें तुमने पूरा करने का बीड़ा उठाया था या उठाया है। इसका अर्थ सभी आवश्यकताओं या इच्छाओं की पूर्ति कर लेना भर नही है; इसका तात्पर्य सिर्फ नाम कमाना या पद प्राप्त करना नहीं। सच्ची सफलता का सार ये है कि तुम स्वयं कैसा बनते हो। जीवन का आचरण, जिसे तुम विकसित करते हो, वह चरित्र है, जिसका तुम पोषण करते हो। इसलिये महत्वपूर्ण मसला जीवन में सफलता से जुड़ा हुआ नही हैं, बल्कि जीवन की सफलता से संबंधित हैं। सफल जीवन वह है, जो एक आदर्श महान व्यक्ति बनाने में कामयाब रहे। तुम्हारी सफलता का आकलन इससे नहीं है कि तुमने क्या पाया, बल्कि इससे है कि तुम क्या बने, कैसे जिये और तुमने क्या किया।" स्वामी विवेकानंद द्वारा प्रतिपादित मापदंडों पर खरा उतरने के लिये युवाओं को उनके निम्नलिखित विचारों का ध्यान रखना होगा :

जीवन का लक्ष्य – स्वामीजी के अनुसारे मनुष्य का वास्तविक जन्म तभी होता है जब उसके जीवन में लक्ष्य का अभ्युदय होता है। लक्ष्यहीन जीवन चलते-फिरते शव के समान है। अति सुंदर शब्दों में युवाओं का उन्होंने आह्वान किया कि भविष्य के बारे में सोचने का समय अभी है – अभी तुममें युवा शक्ति है। यही समय है क्योंकि भगवान के चरणों में नवीन, ताजा, अनछुए, अनसूंघे पुष्प ही अर्पित किये जाते हैं। जब तुम दूसरों के लिये काम करोगे, तब सर्वोत्तम काम करोगे। जीवित वही हैं जो दूसरों के लिए जीते हैं। बाकी सब जीवित से ज्यादा मृतप्राय हैं।

आत्मविश्वास – पुराना धर्म कहता था कि जो भगवान में विश्वास नहीं करता वह नास्तिक हैं। नया धर्म कहता है कि जो स्वयं पर विश्वास नहीं करता वह नास्तिक हैं। कार्य कैसा भी हो, आत्मविश्वास के बिना सफल नहीं हो सकता।

विचार – हमारे विचार ही हमारे जीवन की गति निर्धारित करते हैं। हम वैसे ही बनेंगे, जैसे हमारे विचार होंगे।

एकाग्रता – हम अपने को जितना ज्यादा से ज्यादा एकाग्र कर सकेंगे, उतना ही हम विषय या कार्य-विशेष पर अपनी शक्ति केन्द्रित कर सकेंगे। जब आप काम करे रहे होते हैं, उस समय और कोई चिंतन न करें।

प्रयास – हम जो भी है, जैसे भी हैं, उसके लिये हम स्वयं जिम्मेदार हैं। स्वयं का निर्माण करने की शक्ति हममें हैं।

चरित्र – धन, नाम, यश या ज्ञान साथ नहीं देगा। चरित्र महत्वपूर्ण है, जो कि कठिनाइयों की दीवाल को भेदने की क्षमता रखता है।

निडरता – किसी भी प्रकार का भय मत करो। जिस पल तुम डरे, तुम नगण्य हो जाओगे। संसार में दैन्यता का कारण भय है। निडरता एक क्षण में स्वर्ग का निर्माण कर देती है।

भविष्य – जो भी शक्ति एवं साहस चाहिये, सभी तुम्हारे अंदर हैं। इसलिये अपने भविष्य का निर्माण करो। बुरे शब्द या कार्य तुम पर बाघ की तरह झपटेंगे एवं अच्छे विचार एवं कर्म हजारों देवदूतों की शक्ति के साथ सदैव तुम्हारी रक्षा करेंगे।

कार्य अभी करो – जीवन कितने दिन का है? इस दुनिया में तुम आये हो, अपनी छाप छोड़ जाओ। अन्यथा तुममें एवं पेड़-पौधों में क्या अंतर है? वे भी आकार लेते है, उनका क्षय होता है एवं नष्ट हो जाते हैं। वीरभोग्या वसुंधरा – इस दुनिया का आनंद वीर ही ले सकते हैं। यह एक अकाट्य सत्य है।

स्वामीजी के ये शब्द पूरे ब्रह्मांड में गुंजायमान हैं। युवाओं के लिए इनसे बढ़कर कोई सफलता-सूत्र हो नहीं सकता। उन्होंने कहा था – उठो, जागो एवं लक्ष्य हासिल करने तक रुको नहीं। भेड़ बकरी की तरह मिमियाओ नहीं। शेर की तरह दहाड़ो।

नायक बनो! ★ ★ ★

आस्था के अमृत कलश हैं 'आस्था री मंदाकिनी' के निबंध

– डॉ. पूरन सहगल

ललित निबंध के सिद्ध लेखक श्री नथमल जी केडिया द्वारा रचित एवं अनुवाद विद्या के राजकुमार डॉ. गजादान चारण "शक्तिसुत" द्वारा राजस्थानी में अनूदित "आस्था री मंदाकिनी" मेरी टेबल पर प्रतिष्ठित है। मैंने उसका पहला निबंध 'मंगल मारग' पढ़ा। पढ़ता चला गया। बार-बार मन करता, राम करे यह खत्म न हो जाए, लेकिन हो गया। मस्तिष्क पढ़ता रहा, हृदय गुनगुनाता रहा आर चित्त बार-बार मंदाकिनी में डूबता-उतराता रहा, अद्‌भुत!

अंतिम पृष्ठ पर जब रामचरितमानस की चौपाई पढ़ी – "पुत्रि पवित्र किए कुल दोऊ। सुजल धवल जगु कह सबु कोऊ।" इस चौपाई ने जहाँ सीता को आश्वस्त कर दिया, वहीं मुझे त्रस्त भी कर दिया। तन की सहज समाधि टूट गई। भीतर कुछ पिघला और नयनों से बह कर गालों पर उतर आया मंदाकिनी की तरह। फिर अगले दिन 'आस्था री मंदाकिनी' और तीसरे दिन 'गंठजोड़े री गांठ' भी पढ़ा। तीनों दिन एक जैसी गति-अति बनी। फिर शेष आठ निबंध पूरे पढ़ने की न तो हिम्मत रही, न हिमाकत और न हैसियत! शेष निबंधों को भी बीच-बीच में पढ़ा किन्तु सबके अंतिम पृष्ठ अवश्य पढ़े। अनुपम!!

मै तो कहता हूँ, मुझ जैसे भावुक व्यक्ति को ये निबंध या तो पढ़ना ही नहीं चाहिए या फिर लगातार नहीं पढ़ना चाहिए। "हृदय रोगी नहीं पढ़ें" ऐसी चेतावनी मुख्य पृष्ठ पर ही छाप देनी चाहिए थी। सौभाग्य से मैं हृदय रोगी नहीं हूँ।

एक पहलू और भी है – इन निबंधों को पढ़ने से संवेदना जागृत हो जाती है। संवेदना मनुष्य की श्रेष्ठतम भाव निधि है। यह मनुष्य को जीवनमूल्यों से विलग नहीं होने देती। मैं तो कहता हूँ, धर्म के चारों चरण या कहें भाव – सत्य, शील, शुचिता और दया, संवेदना के डोरे कभी भी विलुप्त नहीं होते। इन निबंधों में करुणा तो ऐसे बसी है जैसे देह में प्राण, जैसे कृष्ण में राधा और राम में सीता।

इन निबंधों को पढ़ते-पढ़ते डॉ. गजादान चारण की भाषा ने तो मोहित ही कर लिया। इन्हें अनुवाद कहना मेरे लिए तो सम्भव नहीं है। मैंने तो मूल नहीं पढ़ा, जो पढ़ा वह मूल ही है। ऐसी थिरकती किशोरी जैसी भाषा अनुवाद की कैसे हो सकती है?

लोकगीतों में सुना था, एक नवोढ़ा अपने पति से अपनी चूनर पर टाँकने के लिए आकाश के तारे लाने की हठ करती है और पत्नी पर मोहित पति हाँ भी कर लेता है। मैं नहीं जानता कोई पति आकाश से तारे तोड़ कर या चुन कर लाया होगा या नहीं ला पाया होगा, किन्तु डॉ. गजादान आकाशीय तारों से भी सुन्दर राजस्थानी साहित्याकाश से चमाचम शब्द सितारे चुन लाए और उन्हें निबंधों मे टाँक दिया। अद्‌भुत जड़िया हैं डॉ. शक्तिसुत। उनके इस "शब्द-जड़ियापन" पर यह दोहा कहे बिना रहा नहीं जा रहा :

हीराँ सुँ कोउ जड़सके, चुड़लो सुघड़ सुनार।
गजादान आखर जड़्या, अजब-गजब रसदार।।

ऐसा लगता है मानो कोई कल-कल निनाद करती नदी तटों को तर-बतर करती निरन्तर आगे बढ़ी चली जा रही हो, सारी मनुहारों को नकारती हुई। यह दोहा याद आ जाता है:

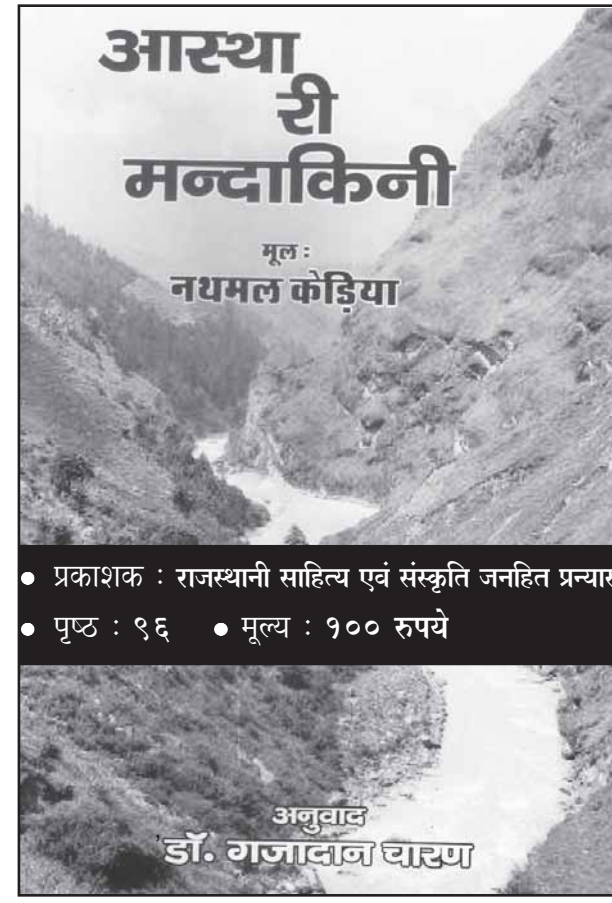

- प्रकाशक : **राजस्थानी साहित्य एवं संस्कृति जनहित प्रन्यास**
- पृष्ठ : ९६ • मूल्य : **१०० रुपये**

तट ने अनुहारा बहुत रुक जाओ प्रिय आज।
कल-कल करती बह चलो, नदी बहानेबाज।।

ऐसा लगता है मानो कृष्ण की मुरली की मिठास, राधा की पायल की झंकार, शिव का डमरू-निनाद, सरस्वती की वीणा-मधुराई और नारद की झपताल का रिदम, सब एक साथ समवेत हो उठे हों। समूचा तार सप्तक भीतर बजने लगता है।

सभी निबंध एक दूसरे से आगे निकलने को होड़ लगाते दिखते है। सीता का जो स्वरूप इसमें श्री नथमल जी केड़िया ने प्रतिष्ठित किया है वह मानस से कहीं आगे चला जाता है। अनन्य है!!!

भारत की भौगोलिक सुषमा तथा ऐतिहासिक पात्रों का सांस्कृतिक मूल्याँकन करने में जितने सफल केड़िया जी हैं वैसा कोई और अब तक ध्यान में नहीं आया। ऐसा लगता है हम केड़िया जी के साथ-साथ चल रहे हैं एक सहयात्री की तरह। उनके साथ जी रहे हैं, सोच रहे हैं। वन्दनीय हैं श्री नथमल जी केड़िया एवं अभिनन्दनीय है – डॉ. गजादान जी शक्तिसुत।

[समीक्षक मनासा (जिला नीमच, मध्य प्रदेश) स्थित मालव लोक संस्कृति अनुष्ठान के निर्देशक हैं।]

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

संरक्षक सदस्य

श्री राज कुमार नाहटा
४७१८/२१-ए, दयानन्द मार्ग
दरियागंज,
नई दिल्ली - ११०००२
मो. : ९८११०२०२९०

सम्मेलन के सदस्य
बनें एवं बनायें।

श्री रिखब चंद जैन
८७९, मास्टर पृथ्वीनाथ मार्ग
करोल बाग
नई दिल्ली - ११०००५
मो. : ९८१०२७९४४६

श्री अरविन्द अग्रवाल
मे. - शंकर प्रसाद
आई.टी.आई. कॉलेज के नजदीक
घोघरडीहा, मधुबनी - ८४७४०२
बिहार
मो. : ९८०१०३०४५८

आजीवन सदस्य

श्री संदीप गोयल
मे. गोयल रबर्स
२७२९/६, चूना मंडी, पहाड़गंज
नई दिल्ली - ११००५५
मो. : ९३१३३२४९२४

श्री संदीप मारोडीया
३२१, कोहाट इनक्लेव
पीतमपुरा
नई दिल्ली-११००३४
मो. : ९८१०१९९६५९

श्री अनिल कुमार गुप्ता
९८३/१, कुचा नाईवा
चाँदनी चौक
दिल्ली - ११०००६
मो. : ९८१०००४६०७

श्री सुशील कुमार सारडा
८४२/७, तीसरा तल
गोविन्दपुरी, कालकाजी
नई दिल्ली - ११००१९
मो. : ९९१०८०२००८

श्री हिमांशु गोयनका
सी-४/४ए, द्वितीय तल
मॉडल टाऊन
दिल्ली - ११०००९
मो. : ९८६८५८५७९१

श्री संजय सुराना
३/४, बस्ती हरफूल सिंह
सदर बाजार पुलिस स्टेशन के नजदीक
दिल्ली - ११०००६
मो. : ९८९९९९४९५७

आजीवन सदस्य

श्री बद्री कुमार सराफ
डब्ल्यु जेड -१८ए पंजाब गार्डेन
पंजाबी बाग (ई.)
नई दिल्ली - ११००२६
मो.: ९३१२०९८६८५

श्री गोपीकृष्ण जाजू
मे. इण्डस ट्युबस लि.
जीडी-आईटीएल टावर
बी८, टॉप फ्लोर, नेताजी सुभाष स्थल
पीतमपुरा, दिल्ली - ११००३४
मो.: ९८११२२२५००

श्री राज कुमार जैन
मे. पद्मावती इन्टरप्राईजेज
२४५, प्रथम तल, पंजा सरीफ
कश्मीरी गेट, दिल्ली - ११०००६
मो. : ९८६८१८७८६५/९८७३५६२७३५

श्री चमन कुमार अग्रवाला
गर्ल्स हाई स्कूल रोड
कुचिन्दा - ७६८२२२
सम्बलपुर, ओडिशा
मो. : ९४३७२५३४८९

श्री प्रदीप कुमार बोहरा
मे.- कृष्णा वेयरहाउसींग एण्ड ट्रेडिंग कं.
१०२, गगन अपार्टमेन्ट, एक्जीबिशन
रोड, पटना-८००००१, बिहार
मो.: ९३३४११०७७५

श्री महेश कुमार बगड़िया
डी-१२६, अशोक विहार
फेज - I
दिल्ली - ११००५२
मो. : ९३११०११२२२

श्री बी. एल. गुप्ता
मे. इण्डस ट्युबस लि.
जीडी-आईटीएल टावर
बी८, टॉप फ्लोर, नेताजी सुभाष स्थल
पीतमपुरा, दिल्ली - ११००३४
मो.: ९८११२२२५०२

श्री अजय कुमार अग्रवाल
मे. अजय इंण्डस्ट्रीज
३३६६, सिंघारा चौंक, सदर बाजार
दिल्ली - ११०००६
मो.: ९८११२८०३०३

श्री बनवारी लाल अग्रवाल
हिटलर पाड़ा चौक
कुचिन्दा - ७६८२२२
सम्बलपुर, ओडिशा
मो. : ९४३७२५३५२४

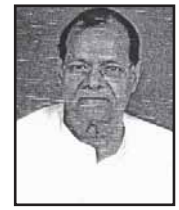

श्री देशमुखी अग्रवाल
गर्ल्स हाई स्कूल रोड
कुचिन्दा - ७६८२२२
सम्बलपुर, ओडिशा
मो. : ९४३७३४७४१७

श्री अरुण कुमार अग्रवाल
मे. टॉप प्लाई वूड प्रा. लि.
इण्डस्ट्रियल एरिया, पाटलीपुत्र
पटना-८०००१३, बिहार
मो. : ९३३४१११५७६

श्रीमती सुनिता बगड़िया
डी-१२६, अशोक विहार
फेज - I
दिल्ली - ११००५२
मो. : ९३१२७४३७११

आजीवन सदस्य

श्री अनिल कुमार लोहिया
डी४/४, प्रथम तल
मॉडल टाऊन पार्ट - III
दिल्ली - ११०००९
मो.: ९९९९९१४१६६

श्री सुनील कुमार लोहिया
ए-१४५, गुजरावाला टाउन पार्ट - I
दिल्ली - ११०००९
मो.: ९८११२६०८५३

श्री विनोद कुमार जाजोदिया
डी-१-३१, मॉडल टाऊन पार्ट - II
दिल्ली - ११०००९
मो. : ९३५०५५१०२४

श्री कबिन्द्रा कुमार कोठारी
एम-१/५४, वल्लभ विहार
सेक्टर-१३, रोहिणी-११००८५
दिल्ली
मो. : ९३५०९८३३००

श्री पवन कुमार डिंगलीवाल
ए-२/५०-५१, तीसरा तल
सेक्टर-१६, रोहिणी-११००८९
दिल्ली
मो.: ९८१०२४६३०२

श्री किशन कुमार अग्रवाल
३७/३८, वेस्ट पंजाबी बाग
दिल्ली - ११००२६
मो. : ९८७१५९०६०४

श्रीमती स्वाति लोहिया
डी४/४, प्रथम तल
मॉडल टाऊन पार्ट - III
दिल्ली - ११०००९
मो.: ९९९९९१४१६६

श्रीमती शालिनी लोहिया
ए-१४५, गुजरावाला टाउन पार्ट - I
दिल्ली - ११०००९
मो.: ९८११२६०८५३

श्रीमती सीमा जाजोदिया
डी-१-३१, मॉडल टाऊन पार्ट - II
दिल्ली - ११०००९
मो. : ९३५०५५१०२४

श्री मदन खण्डेलवाल
ए१/६७, सेक्टर-७
रोहिणी - ११००८५
दिल्ली
मो. : ९९९९६७२१११

डॉ. अनिल अग्रवाल
२, ग्राउण्ड फ्लोर, हर्ष विहार
पीतमपुरा
दिल्ली - ११००३४
मो. : ९९७१४१९८९८

श्री भवानी शंकर शर्मा
१३९, एस.बी.आई. कॉलोनी
जी.टी करनाल रोड, नायक पियाऊ
के नजदीक, दिल्ली - ११०००९
मो. : ९८७३९१६७२७

आजीवन सदस्य

श्री अशोक कुमार खेतान
४२२ए, वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर
बाराखम्बा प्लेस
नई दिल्ली - ११०००१
मो.: ९८१०३७७७०९

श्री राजेश कुमार केडिया
मे. श्रीकृष्णा टेक्सटाईल
कुपेजर मार्केट, बिड़ला मंदिर रोड
ग्राउण्ड फ्लोर, पटना-८००००४, बिहार
मो.: ९३८६७३२६७३

श्री लक्ष्मीकान्त अग्रवाल
मे. लक्ष्मी अग्रवाल बोस एण्ड कं.
हो.- जस्टीस पी. एस. सहाय
मोर्या लोक पथ, पटना-८००००१, बिहार
मो. : ९८३५०१२५०३

श्री प्रसुन कुमार पोद्दार
मे. कृष्णा
टावर चौक, दरभंगा - ८४६००४
बिहार
मो. : ९९३४७८१८१०

श्री प्रशांत खेतान
मे. श्री स्टोर्स
शिवधारा, बाजार समिति
दरभंगा - ८४६००४, बिहार
मो.: ९३०८११४३२०

श्री अभिषेक बुबना
द्वारा - लावण्या कलेक्शन, बड़ा बाजार
महारानी गोडाउन के नजदीक
दरभंगा - ८४६००४, बिहार
मो. : ९३०४१११२७४

श्री हरबंश लाल गुप्ता
ए१४१, ब्लाक-4, हरिनगर
घंटा घर
नई दिल्ली - ११००६४
मो.: ९८१११३९४१६

श्री विजय कुमार गुप्ता
मे. दादाजी स्टीलस लि.
३११,नारायण प्लाजा, एक्जीबिशन रोड
पटना - ८००००१, बिहार
मो.: ९४३१०२३२३५

श्रीमती उर्मिला गुप्ता
५०२, सन्तोषा काम्पलेक्स
फ्रेजर रोड, पटना, बिहार
मो. : ९७७१४५६९२१

श्री गोपाल कुमार खेतान
मे. श्री लेहटी सेन्टर
गणेश मंदिर के नजदीक
दरभंगा - ८४६००४, बिहार
मो.: ८०९२३१८३४७/९३८६४६३६८७

श्री दिनेश कुमार दारुका
मे. नवीन वस्त्रालय
टावर चौक
दरभंगा - ८४६००४, बिहार
मो. : ८८६३९०६०२७

श्री मनमोहन कृष्ण सरावगी
जय भवन, नाका-३ के नजदीक
जुरावन सिंह रोड
दरभंगा - ८४६००४, बिहार
मो. : ९४३१२१९८८४

आजीवन सदस्य

श्रीमती सुशीला गाड़ोदिया
मे. गाड़ोदिया इन्टरप्राइजेज
पूर्वी बाजार पथ, अपर बाजार
राँची - ८३४००१, झारखण्ड
मो. : ९९५५०३६६११

श्री वेद प्रकाश बागला
हरदत्त रॉय लेन
सुरेश बाबू स्ट्रीट
अपर बाजार - ८३४००१, झारखण्ड
मो. : ९३३४७०२२४७

श्री मधु सूदन माहेश्वरी
द्वारा - रेमण्ड शॉप
कचहरी रोड, राँची - ८३४००१
झारखण्ड
मो. : ९४३११०४५९६

श्री विजय कुमार टिबड़ीवाल
हरीणडांगा बाजार, धुनियान रोड
पो.+ जिला : पाकुड़ - ८१६१०७
झारखण्ड
मो.: ९३०४७५२८५५

श्री विजय कुमार गाड़ोदिया
मे. अन्नपूर्णा ट्रेडिंग कम्पनी
पूर्वी बाजार पथ, अपर बाजार
राँची - ८३४००१, झारखण्ड
मो.: ९४३११०११२१

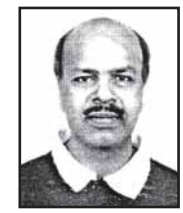

श्री विजय कुमार सरायका
सरायका भवन, कोर्ट सराय रोड
ओल्ड चौधरी बागान
राँची - ८३४००१, झारखण्ड
मो. : ९८३५१५५१४४

श्री राजा गुप्ता
अम्बा उद्यान
पूर्वी नन्दगोला, बंगला पर
नागा बाबा के मंदिर के समीप
पटना - ८००००८, बिहार
मो.: ९३३४८८८६६६/९४३०२४५८७७

श्री संतोष कुमार जालान
सरैयागंज
मुजफ्फरपुर - ८४२००१
बिहार
मो.: ९३३४०४५७९२

श्री प्रदीप कुमार टिबड़ेवाल
मे. शुभम एजेन्सी
प्रभु भवन, सुतापट्टी
मुजफ्फरपुर - ८४२००१, बिहार
मो.: ९३३४९१०५६१

श्री शरद कुमार सराफ
मे. आर. बी. फूड प्रोडक्टस
गोला रोड, पेट्रोल पम्प के सामने
मुजफ्फरपुर - ८४२००१, बिहार
मो. : ९४७१२८९९९१

श्री दिपेन्द्र कुमार अग्रवाल
बी-१९, एस/२, रामप्रस्थ
गाजियाबाद - २०१०११
उत्तर प्रदेश
मो. : ८८२६२२५७८२

श्री हेमन्त कुमार मित्तल
बी-१०१, एस-१, रामपुरी
गाजियाबाद - २०१०११
उत्तर प्रदेश
मो. : ९८११३३५२२१

श्री बिमल तयाल
बी-२७९, फ्लैट नं.- एफ३,
रामप्रस्थ कॉलोनी
गाजियाबाद-२०१०११, उ.प्र.
मो. : ९८७३६७२४८१

आजीवन सदस्य

श्री दीपक अग्रवाल
सी-२२, रामपुरी
सुर्या नगर के नजदीक
गाजियाबाद-२०१०११, उ.प्र.
मो. : ९२१२७१६७७६

श्री ओम जालान
२८, रामप्रस्थ ग्रीन
वैशाली
गाजियाबाद-२०१०११, उ.प्र.
मो. : ९८६८०८४०६६

श्री ललित गर्ग
ई-२५३, सरस्वती कुंज
आई.पी.इ. एक्स.
दिल्ली - ११००९२
मो. : ९८११०५११३३

श्री सुशील महिपाल
सी-२१५, सुर्या नगर
गाजियाबाद - २०१०११
उत्तर प्रदेश
मो.: ९९१११९३२४

श्री उत्तम झाजेर
मे. टूपाल इम्पेक्स
६७८, अग्रवाल साइबर प्लाजा-II
नेताजी सुभाष स्थल, पीतमपुरा
दिल्ली - ११००३४
मो.: ९८११६२९७९९

श्री किशन अग्रवाल
सी-१२२, रामप्रस्थ
पो.- चन्दर नगर, गाजियाबाद
उत्तर प्रदेश - २०१०१०
मो. : ९८७१०९०९७७

श्री सुबोध कुमार गोयल
२०२, रानी प्लाजा
एक्जीबिशन रोड
पटना - ८००००१, बिहार
मो. : ९४३१०१९१२१

श्री सुरेश अग्रवाल
बी-१०८, रामपुरी
सुर्या नगर
गाजियाबाद-२०१०११, उ.प्र.
मो.: ९२१२१५१८६६

श्री दिलीप कुमार चिरानियाँ
फ्लोट बाजार, पो. - फ्लोट
जिला - मधेपुरा - ८५२२१३
बिहार
मो.: ९४३०६५७१९६

श्री बजरंग कुमार अग्रवाल
पोस्ट - चौसा,
जिला - मधेपुरा - ८५२२१३
बिहार
मो. : ९९३१७३९७०४

श्री पुरुषोत्तम अग्रवाल
पोस्ट - चौसा बाजार
जिला - मधेपुरा - ८५२२१३
बिहार
मो. : ९९३९८९२०२९

श्री हरि प्रसाद अग्रवाल
पोस्ट - चौसा बाजार
जिला - मधेपुरा - ८५२२१३
बिहार
मो. : ९९३१८९६७८८

श्री राम रतन अग्रवाल
पोस्ट - चौसा बाजार
जिला - मधेपुरा - ८५२२१३
बिहार
मो. : ९९३४४८४७२३

श्री असीम कुमार झुनझुनवाला
२३, बसंत बिहार कॉलोनी
बोरिंग रोड, पटना - ८००००१
बिहार
मो. : ९३८६९०४०२०

श्री गणेश शर्मा
द्वारा - श्री सांवरमल शर्मा
केशव राय की गली,
चौक पटना सिटी-८००००८, बिहार
मो. : ९३३४११२५२८

श्री हनुमान प्रसाद अग्रवाल
३१२, कैलाश अपार्टमेन्ट
कंकड़बाग, पटना - ८०००२०
बिहार
मो.: ९४३१६०२९४१

श्री राजेन्द्र अग्रवाल
मे. प्रतिक स्टील
५०३, सिद्धी विनायक प्लाजा
भट्टाचार्जी रोड, पटना
बिहार - ८००००१
मो.: ९४३१०११४०८

सम्मेलन के सदस्य बनें एवं बनायें।

WONDER GROUP

wonder wallz

Made-To-Order Wall Decor

"you imagine we create"

WonderWallz is a division of Wonder Images Pvt. Ltd. The state of art machines & the efficient design team helps to deliver wall solutions for all unique requirements. With over 1lakh designs it is easy to choose a wall which is a true representation of your choice.

The USP is zero wastage, customized design, lower effective cost, environment friendly & unique creation.

MADE -TO- ORDER SOLUTIONS

- Wall Covering
- Textured Wall Paper
- Etching Films
- Printed Transparent Films
- Canvas Art
- Portraits
- Wall Clocks
- Designer Panels & Partition
- Lampshades
- Decor Items
- Signage
- Building Warp

COLOURS

Customization

CREATIVITY

Unique wall solutions

Contact Us:

Aditi: +91 98307 25900
Email: aditi@wondergroup.in
Gallery: www.flickr.com/photos/131388784@N04/
Flickr ID: kediaaditi

Works:
Tangra Industrial Estate-II (Bengal Pottery Compound)
45, Radhanath Chowdhury Road, Kolkata-700 015, India.
Tel: +91 33 23298891-92

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2013-2015
Date of Publication - 15th January 2016
RNI Regd. No. 2868/68

From :
All India Marwari Federation
152B, Mahatma Gandhi Road
(2nd Floor) Kolkata - 700 007
Telefax : (033) 2268 0319
E-mail : aimf1935@gmail.com